

— 2) in Betracht ziehen, erwägen: क्रयविक्रयमधानं भक्तं च सपरिव्ययम् । योगनेमं च संप्रेक्ष्य वणिजो दापयेत्करम् ॥ M. 7, 127. पार्श्विग्राहं च संप्रेक्ष्य तथाक्रन्दं च माण्डले 207. संप्रेक्ष्य पुरुषाणां बलाबलम् R. 1, 7, 12.

— अभिसंप्र ansehen, gewahr werden: भर्तारमभिसंप्रेक्ष्य क्रुद्धा वचनमब्रवीत् MBh. 1, 3011. 5952. 3, 16075. 13, 14779. R. 2, 39, 2. सैन्यवं त्वभिसंप्रेक्ष्य पराक्रान्तं पलायने MBh. 3, 15772.

— प्रति 1) zusehen: प्रतीक्षते अश्वरो देवश्च AV. 14, 1, 39. hinblicken: प्राशित्रं प्रतीक्षते KĀTJ. ÇR. 2, 2, 15. — 2) erwarten, abwarten, warten auf Jmd oder Etwas: त्वां दिदुः प्रतीक्षते MBh. 3, 1726. प्रतीक्षस्व मुहूर्तम् 2824. R. 4, 9, 16. 17, 57 (प्रतीक्षिष्यामहे). पृष्ठेन प्रतीक्ष्य (nach einer Weile?) कयाटमुद्वाय्यं Mṛkṣh. 48, 19. PAÑKĀT. I, 173. 37, 8. 213, 15. यथा वा ध्यायंतां प्रतीक्षते दृवमध्वर्युः प्रतिगुरं प्रतीक्षते TS. 3, 2, 9, 5. प्रथमं संस्थिता भार्या पतिं प्रेत्य प्रतीक्षते MBh. 1, 3033. N. 26, 14. MATSJOPI. 32. R. 2, 79, 4. रामं प्रतीक्षते राव्याय 115, 3. 3, 11, 9. 32, 53. नाभिनन्देत मरणं नाभिनन्देत जीवितम् । कालमेव प्रतीक्षते निर्दशं भूतको यथा ॥ M. 6, 45. R. 1, 48, 18. 4, 26, 20. 43, 19. 61, 13. KATHĀS. 5, 6. अनुज्ञाम् R. 2, 34, 25. act.: तावत्प्रतीक्ष MBh. 2, 2340. प्रतीक्षन्म् 1, 4275. 3, 8295. कालयोगं प्रतीक्षतः 8827. पुत्रज्ञम् 1, 3880. त्वत्प्रतिज्ञाम् 3, 1012. — 3) ruhig ansehen, ertragen: संवत्सरं प्रतीक्षते द्विपत्तो योषिते पतिः । ऊर्ध्वं संवत्सरात्वेनां दायं कृत्वा न संवसेत् ॥ M. 9, 77. — Vgl. अप्रतीक्षम्.

— संप्रति warten, warten auf: मुहूर्तं संप्रतीक्षस्व MBh. 1, 2903. संप्रतीक्ष्य (lange? BENFEY: dazu betrachten) च भद्रं ते न त्वं वस्तुमिच्छसि R. 3, 32, 37. एकवेणीधरा हि त्वां नगरीं संप्रतीक्षते 2, 108, 8. कस्याज्ञां संप्रतीक्षते 1, 73, 13.

— चि 1) sehen, schauen, ansehen, erblicken: यदेव वीक्षते तदाग्नेयं रूपं श्रुत्वे इव हि वीक्षन्माणास्त्रिणी भवतः ÇAT. Br. 1, 6, 3, 41. सर्वा दिशो ऽनु वीक्षते 6, 7, 2, 16. KĀTJ. ÇR. 14, 5, 9. 15, 5, 13. वीक्षन्माणास्ततस्ततः R. 2, 47, 2. 78, 26. 3, 78, 11. 4, 21, 1. 5, 33, 32. 89, 49. वीक्षन्माणो गुरोर्मुखम् M. 2, 192. 3, 177. वीक्षते त्वां विस्मिताश्चैव सर्वे BHAG. 11, 22. तामात्रपत्न्यां धर्मज्ञामभिक्राम वीक्षितम् R. 3, 2, 16. प्रस्थितान्दीक्ष्य तान्पान् VĪÇV. 11, 1. MBh. 2, 2298. N. 26, 20. R. 3, 24, 8. 4, 30, 10. 5, 14, 14. 66. Mṛkṣh. 160, 21. ÇĀK. 99. PAÑKĀT. 103, 6. I, 149, 152. II, 19. MRGH. 22. 34, 98. VID. 33, 216. कृदि वीक्ष् (act.) im Herzen schauen, nachdenken R. 1, 2, 19. वीक्षो चक्रुः MBh. 1, 5336. pass. aussehen: पृथुलोचना सद्गुरो यथैव ते सुभगा तथैव खलु सापि वीक्ष्यते VĪKṚ. 123. वीक्षितं geblickt, angesehen, angeblickt VS. 22, 8. ÇĀK. 33. AMAR. 74. n. Blick BHARTR. 1, 2. RAGH. 2, 42. RT. 1, 12. — 2) sich über Etwas Gewissheit verschaffen, erkennen, unterscheiden: तिदृशाश्चैव सूदृशं स्यात्कार्यं वीक्ष्य M. 7, 140, 161. सीमाज्ञाने नृणां वीक्ष्य नित्यं लोके विपर्ययम् 8, 249. SUÇA. 1, 129, 13. अर्शा वीक्ष्य 2, 47, 5. व्याधिर्वीक्षितः KĀN. 97. आगतं च भयं वीक्ष्य HR. I, 30. अचेतनं (subj.) नाम गुणं न वीक्षते ÇĀK. 140, v. 1. als angemessen erkennen: नुद्वेगोचिकित्सितं वा वीक्षते SUÇA. 2, 193, 12. — 3) auf Jmd schauen, gegen Jmd gesinnt sein: पितृवदीक्षते रामं त्वां च पश्यति मातृवत् R. 5, 33, 11.

— अनुचि 1) sich umschauen, hinsehen auf VS. 13, 30. दिशो ऽनुचीक्षन्माणाः ÇAT. Br. 5, 2, 2, 15. प्रजाः सृष्ट्वानुचिक्षत 6, 2, 2, 6. 14, 4, 2, 1. तां शमीमन्ववीक्षिताम् (sic) MBh. 4, 1235. — 2) prüfen, untersuchen: एवं स तां केतुभिरनुवीक्ष्य सीतेयमित्येव निविष्टवुद्धिः । संलीय तस्मिन्नपसाद वृत्ते R. 5, 19, 34.

— अभिवि 1) ansehen, erblicken, wahrnehmen: स ज्ञातो भूतान्यभिविद्यैतत् AIT. UP. 3, 13. न चैनं भुवि शक्नोति काश्चिदप्यभिवीक्षितम् M. 7, 6. MBh. 1, 4279. 3, 10386. 4, 269. 308. R. 1, 37, 22. 2, 89, 16. तेषां धनाप्राप्तयभिविद्ये DRAUP. 8, 2. यदि स्वमुखमादर्शं विकृतं सो ऽभिवीक्षते MBh. 1, 3075. तां वेपमानामभिवीक्ष्य R. 3, 33, 62. वाक्यमप्रतिनन्दतं भर्तारमभिवीक्ष्य N. 8, 8. समस्यो विषमस्यान्दि उच्छेदे यो ऽभिवीक्षते MBh. 3, 14789. act.: भेदे मरुति संस्थितं पाण्डवास्त्वाभिवीक्षतु 14787. pass.: क्षेमं प्रदाने भेदये च पदेभिरभिवीक्ष्यते (von ihm angesehen wird) M. 3, 240. — 2) sein Augenmerk auf Etwas richten, prüfen, untersuchen SUÇA. 2, 313, 5. 337, 20. — 3) auf Jmd schauen, gegen Jmd gesinnt sein: न तदा त्वां पिता ज्येष्ठः पितृत्वेनाभिवीक्ष्यते (sic) MBh. 13, 379.

— समभिवि gewahr werden: रम्यास्तपोधानानां प्रतिकृतविघ्नाः क्रियाः समभिवीक्ष्य ÇĀK. 13, v. 1.

— उद्दि 1) hinaufschauen; schauen, schauen nach; gewahr werden: सानन्दमुद्दीक्षते PRAB. 71, 9. दृष्टिर्धिकं सोत्काण्डमुद्दीक्षते AMAR. 24. उद्दीक्षन्माणा भर्तारं मुखेन परिश्रुष्यता R. 2, 38, 32. 46, 1. 63, 35. 50. 73, 1. 91, 61. 3, 1, 3. 5, 46, 1. ÇĀK. 161. न चास्ति शक्तिस्त्रिलोक्ये कास्यचित् — पतित्रतामिमं साधो त्वेदीक्षितुमप्युत MBh. 13, 163. ततः सा वायमुद्दीक्ष्य वर्धमानं कपेः R. 5, 8, 8. आदृष्टिप्रसरं प्रियस्य पद्वीमुद्दीक्ष्य AMAR. 74. उद्दीक्षित RAGH. 13, 68. KATHĀS. 20, 173. — 2) prüfen, erwägen: श्वात्मनः शक्तिमुद्दीक्ष्य PAÑKĀT. I, 263.

— समुद्दि ansehen, erblicken: विषेडुर्भूमिपाः सर्वे समुद्दीक्ष्य परस्परम् R. 3, 4, 34. मां समुद्दीक्षन्माणास्ते प्रपतिष्यन्ति विह्वलाः MBh. 3, 12425. ह्यारदवास्त्रियर्वतं शिलाश्रयं समुद्दीक्ष्य PAÑKĀT. 52, 3.

— उपावि hinschauen nach: मुमोच सहसा वाष्यं प्रयात्समुपवीक्ष्य सा R. 2, 38, 32.

— प्रतिवि hinsehen auf, wahrnehmen: ततः स राजा प्रतिवीक्ष्य ताः स्त्रियः प्रहृष्टगर्भाः परितुष्टमानसः । बभूव R. 1, 13, 26. — Vgl. दुष्प्रतिवीक्ष्य.

— संवि ansehen, gewahr werden: राजसंपुंगवं संवीक्ष्य R. 5, 46, 10. एकस्य कर्म संवीक्ष्य करोत्यन्यो ऽपि गृह्णितम् PAÑKĀT. I, 389.

— सम् 1) hinsehen, anschauen, hinblicken, erblicken, sehen: पुरस्तादेव प्रतीचे समीक्षन्माणानुव्रयात् ÇAT. Br. 11, 3, 4, 14. ऀÇV. GRHJ. 1, 15. मित्रस्यार्हं चतुष्पा सर्वेषां भूतानि समीक्षते VS. 36, 18. समीक्षन्माणाय समीक्षिताय PĀR. GRHJ. 2, 3. समीक्ष्य वसुधां चरेत् M. 6, 68. समीक्ष्येनाम् Hip. 4, 26. 5. N. 3, 25. 16, 8. R. 2, 39, 1. 104, 28. 3, 32, 11. 4, 16, 53. 5, 42, 14. स तव मुहूर्त् — तव मार्गं समीक्षन्माणास्तिष्ठति । तच्छीघ्रमाम्यताम् PAÑKĀT. 213, 22. तान्समीक्ष्य ततः सर्वान्निर्विशेषाकृतीन्दिशतान् N. 3, 10. 9, 17. समीक्ष्य स्वां सुतां प्राप्तयैवनाम् 2, 7. BHAG. 1, 27. R. 2, 78, 26. 5, 44, 13. — 2) sich umsehen, ausfindig machen: समीक्षन्धं मकारण्ये देशम् — यत्रेमाः शरदः सुखं प्रतिवसेमहि MBh. 3, 920. अन्यान्वाणांसमीक्षन्धं यैस्त्वं मां सूदृषिष्यसि 14, 846. — 3) sein Augenmerk auf Jmd richten, an Jmd denken; es auf Jmd abgesehen haben, auf Jmd zielen: भोजयति किल आद्रे केचित्स्वानेव वान्धवान् । ततः पश्चात्समीक्षन्ते (denken sie an) कृतकार्या दिदर्शमान् ॥ R. 2, 61, 12. ग्रामस्त्वो (bei sinnlichem Sehen त्वां) समीक्ष्यागतः । चेतसा त्वां समीक्षते P. 8, 1, 25. Sch. अग्रकृस्तसमुक्तेन सीकरेण स नागराद् । समीक्षत गुडाकेशं शैलं नीलमिवाम्बुदः ॥ MBh. 14, 2201. — 4) wahrnehmen, sich über Etwas Gewissheit verschaffen: समीक्ष्य कामात्सुप्रीवं मन्दं धर्मार्थसंप्रेक्षे R. 4, 28, 1. मनः समीक्षन्माणाश्च सूतो दशरथस्य 2, 35, 3. स हि